



हारि
ओ रम

सूचि

कागा सब तन खाइयो	2
कहे भगवान् तुम्हें	3
कौन कहता है दीदार	4
किवें चेहरे तो नजर	5
कन्हैया लेचल परले पार	6
क्या जाने दम कोई को यार	7
कुछ लेना ना देना	8
कान्हा खो गया दिल मेरा तेरे वृन्दावन में	9
गुड नालो इश्क मीठा	10
गुरु ऐसो जीया में	12
गुरु ब्रह्मज्ञान वाले	13
गुरुदेव मेरे घर आए	14
गुरु चरणा दे नाल	15
गुरां दे घर आन	16
गुरु गेरी पूजा गुरु गोविदं	17
गुरु ज्योति से ज्योति जलाए	18
गमां वाला चरखा	19
गली प्रेम वाली अज	21
गल सुन मनवा मेरे, वे सतगुरु अंग संग तेरे	165
चरणां विच विठाया	22
चारों पासे सुख होवे, किसे नू न दुख होवे,	185

जीवन की धड़ियां वृथा	23
जरा तो इतना बता	24
जो ढूबे तेरे प्यार	25
जिन्हूं चन्ना चन्ना कहके	26
जी मैं तेरा तेरा तेरा	27
जुड़ी रहे जुड़ी रहे	28
जे तू बेलिया	29
जे तू फलदा ना साड़ी बांह	30
जब यार राजी	20
जैसे राधा ने माला जपी श्याम की,	166
जे इक तेरा प्यार, मेरे दिलदार, सावल यार	167
जब गम का गुवार दिल से निकला (मिटा)	168
तू तो ढूबा हुआ	31
तेरया चरणा नाल	32
तुम शरणाई आया ठाकुर	34
तुम्हें दिल्लगी गूल जानी	35
तेरे बिना ऐ दिलदारा	36
तूझे अपना बना बैठे जो होगा	37
तेरे प्रेम में विश्वास में और मन रहे	38
तू गाने या न गाने दिलदार	39
तेरे दर आ के गुरुजी	40
तमाशा तुझा में होता है	41
तुम्हारी भी जय-जय	42
तेरे प्रेम में विश्वास में	54
तेरे संग में रहेंगे ओ मोहना-2	169
तू ही तू ही तू ही तू ही	170

दादा के ज्ञान में वो शक्ति	43
दिलकश है तेरा नशा	44
दर्शन पादियां ही चढ़ गई	45
दिल दे सिहांसन उते	46
दीवानों का मेला	47
दाता तेरा नाम लिखिया ऐ मेरी साहा ते	48
दिन होवे रात होवे तेरा जिक करां मै,	187
निका जया काम श्यामा	49
न पूछो से गुजासे	50
नहियो जिदंगी दा कोई	51
नाकर अब तू तेरा मेरा	52
नित खैर मंगा रोनिया	53
नाम खुमारी नान का	55
नी मैं तेरे रंग रंगया,	156
पिला दे ओ साहिवा	56
पुरा ध्यान लगा	57
प्रीत की लत मौहे ऐसी	58
पीता भी रहूं और प्यारा	59
पहचान सके तो पहचान	61
प्रेम सुधा बरसा रहा	62
प्रभु के दर पे आना	63
प्रेम जब अनंत हो गया रोग रोम संत	64
प्रेम हमारी राधना है प्रेम	65

पूर्ण मांहि रहना	66
प्रीतम मतवाले हो...., भगता दी आत्मा दे,	162
बार बार बोलो ओम	67
बुए बारियां ते नाले	68
बृज के नंद लाला	69
बहुत जन्म विछड़े थे माघो	157
विना राम के तू किरी नाल प्यार न करी,	171
मेरे सतगुरु ने मुझे राजा	71
मैं ओम गे ऐसा रम	72
मना सावरे नू इस तरह	73
मैं तो आई फकत तेरे	74
मेरी जिदंगी में क्या था	75
मेहरा वालया साइयां	76
महफिल रुहां दी	77
मेरा जीवन तेरी शरण	78
मुझे रासा आ गया है	79
मैनू तां सतगुरु तेरी	80
मैं अकेली ही चली थी	81
मेरे साकिया बता दे	82
माटी मैं ता गोविंद के	83
मेरा सतगुरु दीनानाथ	84
मेरा दिल तो दीवाना	85
मुझे मेरी मस्ती कहा	86
मैं बलिहारी सतगुरु	87
मेरी रसना से प्रभु	88
मैनू लादो शामजी, अपने नाम	89

मैं तो श्याम संग नेहा	90
मुझे अब तो साखी बड़ी मौज है	91
मेरा सतगुरु पीरां दा पीर	92
मेरे सतगुरु नजर	93
मुझे रब मेरा मिलाया	94
मैं तां हो गईया होर जी होर नहीं	95
मुझे गरज न और	96
मेरे साहिब,-2 तू मैं माण निमाणी	153
मन मेरो गज, जिक्का मेरी काती	154
गेरी हीरिये फकीरिये नी सोनिये	155

ये तो राच है के मगवान है	97
ये सतरांग वाला प्याला	98
ये कैरी कसक तूने मेरे	99
ये सौर क्या है अजव अनोखा	100
ये कैरी कसक तूने, मेरे दिल में जगा दी है,	158
यारां ओ यारां, यारां ओ यारां, इश्क ने मारा	190

राम नाम की नैया लेके	101
रहमतां करदा ए	102
रराना पे अगर तेरा नाम	103
राम दा जहाज मेरे गुरां ने बनाया है	172
रवा मेरेया ओ इश्क जगा दे जिंदी इंतहा न होवे	174

पूर्ण मांहि रहना	66
प्रीतम मतवाले हो...., भगता दी आत्मा दे,	162

बार बार बोलो ओम	67
बुए वारियां ते नाले	68
बृज के नंद लाला	69
बहुत जन्म विछड़े थे माधो	157
बिना राम के तू किसी नाल प्यार न करी,	171

मेरे सतगुरु ने मुझे राजा	71
मैं ओग मे ऐसा रम	72
गना रावरे नू इस तरह	73
मैं तो आई फक्त तेरे	74
मेरी जिदंगी में क्या था	75
मेहरा वालया साइयां	76
महफिल रहां दी	77
मेरा जीवन तेरी शरण	78
मुझे रासा आ गया है	79
मैनू तां सतगुरु तेरी	80
मैं अकेली ही चली थी	81
मेरे साकिया बता दे	82
माही मैं ता गोविंद के	83
मेरा सतगुरु दीनानाथ	84
मेरा दिल तो दीवाना	85
मुझे मेरी मस्ती कहां	86
मैं बलिहारी सतगुरु	87
मेरी रसना से प्रभु	88
मैनू लादो शामजी, अपने नाम	89

गैं तो श्याम संग नेहा	90
मुझे अब तो साखी बड़ी मौज है	91
मेरा सतगुरु पीरां दा पीर	92
मेरे सतगुरु नजर	93
गुझे रव मेरा मिलाया	94
मैं तां हो गईयां होर जी होर नहीं	95
मुझे गरज न और	96
मेरे साहिब,-2 तू मैं भाण निमाणी	153
मन मेरो गज, जिक्हा मेरी काती	154
गेरी हीरिये फकीरिये नी सोनिये	155

ये तो सच है के भगवान है	97
ये सतसंग वाला प्याला	98
ये कैसी कराक तूने मेरे	99
ये सौर क्या है अजब अनोखा	100
ये कैसी कराक तूने, मेरे दिल में जगा दी है,	158
यारां ओ यारां, यारां ओ यारां, इश्क ने मारा	190

राम नाम की नैया लेके	101
रहमतां करदा ए	102
रसना पे अगर तेरा नाम	103
राम दा जहाज मेरे गुरां ने बनाया है	172
रवा मेरेया ओ इश्क जगा दे जिंदी इंतहा न होवे	174

ब्रगन सतगुरु से लगा बैठे लगियां ने गौजां, हुन लाई रखी, दातया	106 159
बड़े मेरे साहिवा वो जुवां कहां से लाउं वे मैं सदके ललारिया जावां, वैसे तो नशे अनेक हैं, ये नशा कुछ और है	107 108 152 173
शुकरानों के गीत श्वासों की डोरी से तू श्वास श्वास सिमरो श्वासां दी माला नाल शुक रवा गैनू सतगुरु श्वासों की माला पे सिमरूं मैं पी का नाम	109 110 111 112 113 175
सतनाम सतगुरु ने चुपके से मेरे कानों में सतगुरु पाया ते हो गईया सतसंग वाली नगरी सतगुरु गेरे है गस्ताने संता दा संग बडे साधो चुप का है विस्तारा सतगुरु गैं तेरी पतंग सईयो नी सोहनी सूरत सतगुरु प्यारे ने इतना	114 116 117 118 119 120 121 122 123 124

साडे बैडे विच पैन लश्कारे सानू रोग लान वालया सदके मैं जावां उन्हां तो सइयों नी मैं प्रीतम सांसों की माला पे सिमरूं साधा रो सतगुरु गोहे भाये सतगुरु सतगुरु बोल मेरे मनवा सुना है एक सौदागर आया, वेचे सुंदर लाल सखी	125 126 127 128 129 130 131 160
--	--

हर श्वास में हो सिमरन तुम्हारा हमारे गुरु गिले ब्रहगङ्गानी हर गुरु मुख सतगुरु दी हरि ओग हरि ओग हे दयालु प्रगु हीर प्रेम दी डोली ले गई हे गोपाल..... हे गोपाल राधा कृष्ण गोविंद-2, कृष्णा गोविंद-2 है प्रेम जगत में सार, और कोई सार नहीं,	132 133 134 135 136 137 144 176 177
--	---

अपना बना के तूने ओ रे ज्ञान गिले अजब प्याला इवादत अखियों करो दर्शन आ श्यामा तेरे ते रंग पावां	138 139 140 141 142
---	---------------------------------

इक मेरे शाम दे विना	146
इक नशा तन मन में	147
इस जन्म का सही सारांश है	148
इबादत कर, इबादत करन दे नल गल बनदी ए	161
इस जन्म का यही सारांश है	181
"इश्क - इश्क - इश्क - इश्क"	182
इक राधा, इक मीरा, दोनों ने श्याम को चाहा	186
ऐ मेरे प्यारे गुरु	149
ऐसा जाम पिला मेरे सतगुरु	150
ऐसी पोशाक मेरे यार ने पहनाई है—	183
ऐ सनग तू मेरी जान ही जान है—	184
ओ रहमत के दाता	151
अपना बना क तूने एहसान कर दिया है	179
अरे लोगों तुम्हें क्या है	180



कागा सब तन खाइयो,
मेरा चुन चुन खाइयो मास,
दो नैना मत खाइयो,
इन्हें पिया मिलन की आस,
नी मैं जाना , नी मैं जाना जोगी दे नाल ।

गङ्गां गङ्गां करदी नी,
मैं आपे राझां होई,
राझां मैं विच, मैं राझों विच,
होर ख्याल न कोई, नी मैं जाना जोगी दे नाल ।

हाजी लोग मक्के नू जादे,
मैं जांदा तख्त हजारे,
जित बल यार उत बल कावा,
भाँवे खोल किताबां चार, नी मैं जाना जोगी दे नाल ।



कहे भगवन् तुम्हें पाकर,
हृदय मंदिर में लाऊं मैं,
करूं परदा मैं पलको का,
तुम्हें अंदर छुपाऊं मैं,
कहे साजन तुम्हें पाकर हृदय मंदिर में लाऊं मैं.....

तुम्हें फूलों में है पाया,
तुम्हें अंगों में है देखा,
उलझा जाते हो दामन से,
तुम्हें कांठों में पाऊं गैं। कहे साजन

हँसी बनकर ल्लों पर हो,
खुशी दिल की तुम्हीं तो हो,
छलक जाते हो आँखों से,
अभी मिलना भी चाहूं मैं। कहे साजन

अमर ज्योति हो तुम भगवन्,
तुम्हीं से है जगत रोशन,
तुम्हीं बनते हो परवाने,
अगर दीपक जलाऊं मैं। कहे भगवन



कौन कहता है कि, दीदार नहीं होता है,
आदमी खुद ही तलबदार नहीं होता है,
तुम उसे प्यार करो, वो न तुम्हें प्यार करे,
बेखबर इतना तो, करतार नहीं होता है। आदमी.....

तुम पुकारो तो सही, हृदय से इक बार उसे,
देखना कैसे वो साकार नहीं होता है। आदमी

जब बुलाते हैं भक्त, अपनी खुदी को गिटाकर
तो फिर भगवान से इन्कार नहीं होता है। आदमी.....

अगर तू अपनी खुदी को नहीं मिटाएगा,
तो फिर भगवान का दीदार नहीं होता है। आदमी.....



किवें चेहरे तों—२ नजर मैं हटाऊंवा—२
 कि तेरे विचो रब दिसदा—२
 दिल करदा—२ मैं तकदी जाऊं,
 मैं उठके न जाऊं, (कि तेरे विचो रब दिसदा)—२

तेरी विनत तलावत मेरी, कौल बैठी इबादत तेरी
 हाय कदी वी ना उठ के जाऊं, के तेरे विचो रब दिसदा .२

इक तू होवें, मैं होवां
 तेनू सबदे विचो खोवां, (के तेरे विचो रब दिसदा—२)
 ओ तैनू अखियां दे विच विठावां (...)

रूप तेरे दी खैर मनावा, तुसी तारों ने मैं तर जावा
 तेनू दिल विच विठावा, के तेरे विचो रब दिसदा —२

मैनू मिल गया, दाता जी दा डेरा,
 मैनू मिल गया, सब कुछ मेरा,
 जी हुन छृटे न ए दर तेरा, के तेरे विचो रब दिसदा —२



कन्हैया लेचल परले पार
 जहां विराजे राधा रानी, अलबेली सरकार। कन्हैया

गुण—अवगुण सब तेरे अर्पण, पाप—पुण्य सब तेरे अर्पण,
 ये जीवन भी तेरे अर्पण, बुद्धि सहित मन तेरे अर्पण,
 मैं तेरे चरणों की दासी, तू मेरा मल्हार। कन्हैया

तेरी आस लगा बैठी हूं, लज्जा शर्म गवां बैठी हूं,
 अपना आप लुटा बैठी हूं, आंखे खूब पका बैठी हूं,
 मैं हूं तेरी प्रेम रगिनी, तू मेरा मल्हार। कन्हैया

जग की कोई परवाह नहीं है, तेरे सिवा कोई चाह नहीं है,
 और सूझाती गह नहीं है,
 बहुत हुई अब हार चुकी मैं, मत छोडो मङ्घधार। कन्हैया

आनंद धन जहां बरस रहा है, पत्ता पत्ता हर्ष रहा है,
 पी—पी कर कोई तरस रहा है, अखियों से जल बरस रहा है,
 मेरे सतगुर भेरे माझी, कर दो परले से पार। कन्हैया



क्या जाने जाने दम कोई को यार,
क्या जाने दम कोई
सपने अंदर साजन मिलया,
खुशियां भर भर सोई,
उठ बाहर मैंनूं नजर न आवे,
मैं छृढ़न शहर सबोई। क्या

चौले अंदर जो कोई बोले, साजन था गेरा सोई
जिदे नाल मैं नेहा लाया, मैं भी जोगिन होई। क्या

बुल्लेशाह नूं शाह इनायत,
शौक शाराव वितोई,
मैं भी पीवन मस्त जो धीवन,
सांफो साफ जो होई। वया

सपने अंदर सेज सजाई, प्रीतम संग मे सोई
प्रीतम ने मैंने अंग लगाया, सुध बुध सारी खोई। क्या जाने....



कुछ लेना न देना मग्न रहना
कवीरा तेरी झोपड़ी गल कटियन के पास
जो करेगा सो भरेगा तू क्यों भयो उदास

पांच तत्व का बना है पिंजरा
जा मैं बोले मेरी मैना, कुछ

गहरी नदिया नाव पुरानी
खेवटिया से मिल रहना, कुछ

तेरा साहिब है तुझ माही
खोल के देखो सखी नैना, कुछ

सब कुछ तेरे है धर माही
आनन्द में तू मग्न रहना, कुछ

कहत कवीर सुनो भई साधो
गुरु चरणों से लिपट रहना, कुछ



कान्हा खो गया दिल मेरा तेरे वृन्दावन में,
गोहनां.....

ये जो मथुरा के तेरे ग्वाले हैं,
बड़े सीधे हैं भोले भाले हैं,
ऐसा अमृत भरा इनकी बातों में, कान्हा

ये जो यमुना के तेरे धारे हैं
इसमें लाखों ही पापी तारे हैं,
ऐसा आगृत भरा इन धारों में, कान्हा

ये जो मुरली की तेरी ताने हैं,
इसके लाखों ही दीवाने हैं,
कैसा जादू भरा, इन तानों में, कान्हा

ये जो बरसाने वाली राधा है,
पूरा करती ये अपना वादा है,
कैसी करूणा भरी इनकी आंखों में, कान्हा

ये जो मोहन है, मुरली वाला है,
बड़ा नटखट है, बड़ा प्यारा है,
कैसा तन, मन रंगा, इसकी बातों में, कान्हा



गुड नालो इश्क मीठा ओए होए
रब्बा लग ए सब नू जावे, गुड नालों इश्क मीठा ।

मेरी भावे जिंद कढ़ लै ओए होए
मेरे यार नू मंदा न बोली, मेरी भावे....
रब ते रूसदा नहीं ओए होए
रूसया यार मुश्किल नाल मनदा, रब ते

दूरों दूरों वेखी जा ओए होए
दूरों दूरों वेखी पर न छेड़ी, दूरों दूरों वेखी जा
प्यार विच शर्ता नहीं ओए होए

सिर घर तली गली मेरी आजा, प्यार विच
सिर चढ़ इश्क बोले ओए होए

इश्क जनू जद हद तो बधदा, सिर चढ़
तू सूली भावे टंग ले ओए होए
भावे लाख लगा ले पहरे, तू सूली

तेरे बिना जीना नहीं ओए होए
तेरे बिन जीना है खुदगर्जा, तेरे बिन
ऐ जान लुटा दागे, ओए होए

जे तू मेहर करे मेरे साँइया ऐ जान
शराबियां दे पैसे बच गए ओए होए
ओ सोहनिया अंखा बिच अंखा पाके तकया शराबियां....

तू किना किन्हा सोहना लगदा ओए होए
दिल करे साहिबा वेखी तैनू जावां, तू किना....

खैर तेरी मंगदी हां ओए होए
दुआ न कोई होर कदी मंगदी, खैर

जददा सहारा मिलया ओए होए
सतगुरु भुल गया मैनू जग सारा, जग दा

तू मिल्या खुदाई मिल गई ओए होए
हुन न पावी तु कटी जुदाई, तू मिल्या.....

जडदो नगीने विच ओए होए
पर तू चीज है ओ मेरे साहिबा
जो रखी जावे सीने विच, जड दो.....

तेरे विच वारी वारी जांवा ओए होए
चुन्नी नू रंग देवन वालेया साहिबा, तेरे तो

ऐ नशा अनोखा है ओए होए
जो है दर्द गली विच विकदा, ऐ नशा

जद तक है ऐ जी ओए होए
जी भर भर के पी ओए होए
जद नहीं रहेगा तेरा ऐ जी कौन कहेगा पी, जद.....

तू मिल्या ते काज हो गया ओए होए
दर्शन जददा मिल्या साहिबा, मेरा इलाज हो गया, तू

सदा तेरी रजा रहे ओए होए
न मैं रवां न मेरी कोई आरजू, सदा तेरी

किसी नक कन विच हीरा ओए होए
मैनू हीरेया नाल की है लैना, मेरे लई तू हीरा....

कुबानि साड़ी यारी है ओए होए
असां तेनू याद बहुत है कीता,
हुन तेरी वारी है, कुबानि



गुरु ऐसो जीया में समाये गए रे,
के मैं तन मन की सुध बुध गवां बैठी,
हर आहट पे समझी बो आ गया रे,
झट राहों में पलके बिछा बैठी । गुरु

गुरु ज्ञान की जब पुरवइया चले,
तो विवेक की खुल गई किवडिया,
ऐसा अनुग्रह हुआ, गुरु हृदय बसे,
झट बाहों के हार चढा बैठी । गुरु

मैंने गुरु रज से मांग अपनी भरी,
श्रद्धा भवित से तन मन सजाया,
इस डर से माया की नजर न लगे
झट ज्ञान का कजरा लगा बैठी । गुरु



गुरु ब्रह्मज्ञान वाले तीर मारदे, नी सङ्गयो सचमुच
जिन्हं लगदे, उन्हादे मन नहीं डोलदे, नी सङ्गयो सचमुच

गुरु अचरज युक्ति बतावदे, हां बतावदे
विच गृहस्थ दे मस्त बनावदे, हां बनावदे
वो तो चिद-जड ग्रंथी नू तोड दे, नी सङ्गयो सचमुच

इक तमाशा है ये दुनिया, ये दुनिया,
जिसदा अंत न पाइया मुनिया क्रथियां,
ज्ञानी उसदी गहराई विचो रोल दे, नी सङ्गयो सचमुच

ब्रह्म विद्या दा गहना पा लो, हां पा लो,
राग ढेप नू मार निकालो, हां निकालो,
फिर बोलदे जीव बना विच शेर बोलदे, नी सङ्गयो सचमुच



गुरुदेव मेरे घर आए, मिल गईयां मोज बहारा,
मैं क्यों न वारी जावां, मिल गईया मोज बहारा।

ऐदी मीठी मीठी वाणी,
ऐदा रूप है नूरानी,
ऐदा मुखडा ऐवें चमके,
जीवे चमके चन असमानी। मैं क्यों

ऐदे बचना उते चलके,
मैं जीवन सफल बनावा,
नाल साध संगत विच बैके,
मैं भव सागर तर जावां। मैं क्यों

मैं दर तेरे ते आवां,
मुंह मंगिया मुरादां पावां,
तेरा दर्श मनोहर पाके,
मैं दिलदा हाल सुनावा। मैं क्यों

मैं इक वारी तेरे तो मंगा,
मेरे सतगुर दिलवर जानी,
मैनू चरणां दे विच रखलो,
जब तक मेरी जिदंगानी मैं क्यों

ऐ ऊंचें सिहांसन सजदा,
ऐनू वेख के मन नहीं रजदा,
तेरे दर ते आके जमाना,
है खाली झोलियां भरदा मैं क्यों



ਗੁਰੂ ਚਰਣਾ ਦੇ ਨਾਲ ਮਥਾ ਜਦੋ ਟੇਕਧਾ,
ਨੂਰੀ ਨੂਰੀ ਅਖਾ ਨਾਲ ਗੁਰੂ ਮੈਨੂ ਵੇਖਧਾ,
ਤਨ ਮਨ ਮੇਂਰਾ ਠਰਧਾ ਨੀ, ਜਦੋ ਨਸ਼ਾ ਨਾਮ ਦਾ ਚਢਧਾ ਜੀ —੨

ਭੋਲਾ ਭਾਲਾ ਮੁਖਡਾ, ਜਲਵਾ ਨੂਰਾਨੀ ਚੇਹਰਾ ਹੈ,
ਦਰਸ਼ਨ ਕਰਕੇ ਮੈਂ, ਹੋ ਗੈਂਦ ਦੀਵਾਨੀ ਹੈ,
ਰੂਪ ਨ ਲਖਧਾ ਜਾਏ ਜੀ, ਜਦੋ ਨਸ਼ਾ ਨਾਮ ਦਾ ਚਢਧਾ ਜੀ

ਸੋਨਾ ਮਨ ਮੋਨਾ ਮੇਰੇ ਦਿਲ ਵਿਚ ਵਸਦਾ,
ਦਿਲ ਲੁਟ ਲੈਂਦਾ ਜਦੋ, ਹੋਲੇ ਹੋਲੇ ਹਸਦਾ,
ਏਸਾ ਜਾਦੂ ਚਢਧਾ ਨੀ, ਜਦੋ ਨਸ਼ਾ ਨਾਮ ਦਾ ਚਢਧਾ ਜੀ

ਨਾਮ ਜਪਨ ਦੀ ਰੀਤ ਸਿਖਾਵੇ ਨੇ
ਸੁਰਤੀ ਸ਼ਾਬਦ ਦੇ, ਨਾਲ ਮਿਲਾਵੇ ਨੇ
ਇਕ—ਇਕ ਦੇ ਵਿਚ ਰਖ ਦਿਖਾਵੇ ਨੇ
ਭਵ ਸਾਗਰ ਤੋਂ ਤਰਧਾ ਨੀ, ਜਦੋ ਨਸ਼ਾ ਨਾਮ ਦਾ ਚਢਧਾ ਜੀ

ਕੋਖ ਗੁਰਾਜੀ ਦੀ ਤੱਤੀਂ ਕਰਨੀ,
ਦਾਸਨ, ਦਾਸੀ ਡਿਗ ਪਧੀ ਚਰਣੀ,
ਗੁਰੂ ਹਾਥ ਮੇਰੇ ਦਾ ਫਡਧਾ ਜੀ, ਜਦੋ ਨਸ਼ਾ ਨਾਮ ਦਾ ਚਢਧਾ ਜੀ

ਪ੍ਰੇਮ ਤੇਰੇ ਵਿਚ ਹੋ ਗੈਂਦ ਚੂਰ ਜੀ,
ਜੇਡੇ ਪਾਸੇ ਕੋਖਾ ਮੈਨੂ ਦਿਸਦੇ ਹਜੂਰ ਜੀ,
ਜਦੋ ਪਲਾ ਤਸਦਾ ਫਡਧਾ ਜੀ,
ਮੈਨੂ ਨਸ਼ਾ ਨਾਮ ਦਾ ਚਢਧਾ ਜੀ.....

ਨੂਰੀ ਨੂਰੀ ਮੁਖਡੇ ਤੇ ਪਾਰੀ ਪਾਰੀ ਲਾਲੀ
ਰੋਜ ਦਸ਼ਹਰਾ ਸਾਡੀ ਰੋਜ ਦਿਵਾਲੀ ਹੈ
ਰੂਪ ਨ ਲਖਧਾ ਜਾਏ ਜੀ, ਜਦੋ ਨਸ਼ਾ ਨਾਮ ਦਾ ਚਢਧਾ ਜੀ



ਗੁਰਾ ਦੇ ਘਰ ਆਨ ਵਾਲਧਾਂ ਦੀ ਬੇਡੀ ਕਦੇ ਨ ਅਡੀ
ਓ ਬੇਡੀ ਕਦੇ ਨ ਅਡੀ ਭਵ ਸਾਗਰ ਤਰੀ ਗੁਰਾਂ ਦੇ ਘਰ

ਜਦੋ ਰਾਨਾ ਨੇ ਮੀਰਾ ਨੂ ਸਰਧ ਭੇਜਧਾ
ਮੀਰਾ ਰਖ ਭਰੋਸਾ ਗਲ ਪਾ ਛਡਧਾ,
ਓ ਵਨ ਗੈਂਦ—੩ ਵੋ ਤੋ ਫੂਲਾਂ ਦੀ ਲਡੀ। ਗੁਰਾਂ ਦੇ ਘਰ

ਜਦੋ ਰਾਨਾ ਨੇ ਮੀਰਾ ਨੂ ਜਹਾਰ ਭੇਜਧਾ
ਮੀਰਾ ਰਖ ਭਰੋਸਾ ਓਨੂ ਪੀ ਛਡਧਾ,
ਓ ਪੀ ਗੈਂਦ—੩ ਜਹਾਰ ਜਗ ਨਾ ਚਢੀ। ਗੁਰਾਂ ਦੇ ਘਰ

ਜਦੋ ਰਾਨਾ ਨੇ ਮੀਰਾ ਨੂ ਘਰੋਂ ਕਡਧਾ,
ਮੀਰਾ ਰਖ ਭਰੋਸਾ ਦਿਲ ਨਿਝੋਂ ਛਡਧਾ
ਓ ਟੂਰ ਗੈਂਦ—੨ ਕੁਨਾਵਨ ਦੀ ਗਲੀ। ਗੁਰਾਂ ਦੇ ਘਰ

ਜੇਡੇ ਗੁਰਾਂ ਦੇ ਢਾਰੇ ਤਤੇ ਆਜਾਂਦੇ
ਮੁਂਹ ਮੰਗਿਆ ਮੁਰਾਦਾ ਪਾਵ ਦੇ ਨੇ
ਵੋ ਤੋ ਝੋਲਿਧਾਂ ਭਰ ਲੇ ਜਾਂਦੇ ਨੇ
ਓ ਵਨ ਗੈਂਦ—੩ ਵੋ ਤਾਂ ਮੁਕਤਾ ਦੀ ਲਡੀ। ਗੁਰਾਂ ਦੇ ਘਰ



गुरु मेरी पूजा गुरु गोविन्दा
गुरु मेरा पारब्रह्म, गुरु भगवन्ता।

गुरु मेरा देव अलख अभेद
सर्व पूज्य चरणं गुरु देव।

गुरु मेरा ज्ञान गुरु मेरा ध्यान
जाको सिमरे मिटे अज्ञान।

गुरु बिन अपना नहीं कोई और
सत्गुरु बिन नहीं कोई ठौर।

गुरु मेरा रत्न असली वतन
गुरु के सत्य वचन।

गुरु का वचन हृदय का हीरा
परख—परख मिटओ पीड़ा।



गुरु ज्योति से ज्योति जलाए
हर रूप में आए नारायण हरि ओम्

गुरु करूण कल्याण ही जाने—२

जाति कुल और भेद न माने—२

हर सत्य को वो अपनाए, हर रूप में

अविद्या मिटे गुरु वचनों से—२

आनन्द अनुभव हो दर्शन से—२

हर घर में अलख जगाए, हर रूप में

योग शोम का भार उठाए

अपना सुख और चैन लुटाएं

हर जीव को ब्रह्म बनाए, हर रूप में

साथ न छोड़े, हाथ न छोड़े,

झूठी कल्पना बंधन तोड़े,

साई सम सहना सिखलाए, हर रूप में

शरणागत हो कुछ नहीं करना

गुरु वाणी में जीना मरना,

साई अपना लक्ष्य बनाए, हर रूप में

जो चाहोगे होने लगेगा,

ध्यान भजन में लगने लगेगा,

साई गुरुबर को अपना लो, हर रूप में

अनुभव वो जो सुना ना देखा

जन्म—मरण का मिट गया लेंखा

जब से गुरु अपनाए, हर रूप में



गमां वाला चरखा, ते दुखां दियां पुणियां
ज्यों—२ कतती जावां, ते होण पाइया दूरियां
कत सकती ना ऐ बुलिये, कुडिये
नी दे, तेरियां पुणियां ते भरियां चिंगार

मक्के गया गल मुकदी नाही,
भावे सो—२ जुमां पड आइये।
गंगा गया गल मुकदी नाही
भावें सो सो गोते खाइये।
बुल्लेशाह गल ताईयों गुकदी—२
जद मै नू दिलों गवाइये।

इबादत कर, इबादत करने दे नाल गल बनदी ए
किसी दी आज बनदी ए, किसी दी कल बनदी ए
पढ—२ इलम किताबें सवे, नाम रखा लया काजी
मक्के जा हज गुजारा, (नाम रखा लया हाजी। काजी)—३
पर———अजे तृ बुलया कुछ नही बनया, जे तृ
(यार न कीता राजी)—२



जब यार राजी हो गया फिर कहता
मेरे दिल विच उठती हूं ... माइया मैनू याद आवदा
सोने चरखे दी मीठी—२ कूक, माइया मैनू याद आवदा
मेरे दिल विच उठती हूं, माइया मैनू याद आवदा
सोने — — — —

हो माइया आवेगा —२—२, माही आवेगा ते खुशियां
मनावांगी, ओदे रावां विच अखियां बिछावांगी
दुख डाडे ने ते जिदंगी .. मलूक...ओ माइया ...
सोने चरखे ...
माइया आवेगा —२—२

मैने तन्हाई मे जब भी तुझे पुकारा है,
ओ माइया, ओ मेरे मुशिद, मेरे मोला
तृ ही सदा हमारा है —२
एक सदा ही तृ हमारा है —३

दामन मेरा आपने खुशबू से भर दिया—२
ये रंग क्या भरे मेरी किसमत बदल गई

सोने चरखे दी मीठी—२ कूक, माही मैनू याद आवदा
मेरे दिल विच उठदी हूंक माही मैनू याद आवदा
हो मेरे



गली प्रेम वाली अज कतल गाह बन गई,
जान देवन दी साड़ी वी सलाह बन गई।

असां शाम दे ढारे उते डेरा गा लया,
लोक लाज वाला पल्ला नी मैं मुंह तो ला लया
नी मैं बृज दे ग्वाले नाल प्यार पा लया
मेरी जान गई ऐटी ते अदा बन गई, गली

असां होली अज खेलनी गुरारी नाल जी,
रंग रंगे जाने रंगले ललारी नाल जी,
होनी हार जीन प्रेम दे पुजारी नाल जी,
मेरी चुनी ते रंग दी गवाह बन गई, गली

असां देखने हुजूर दे गर्वर केडे ने
गली प्रेम वाली आन दे दस्तूर केडे ने
कत्ल करन विच कातिल मशहूर केडे ने
मेरी चुनी ते रंग दी गवाह बन गई, गली



चरणां विच बिठाया ऐ, चरणा विच रूल जाना,
कीता है जो मेरे ते, उपकार न भुल जाना।

तू मान निमाने दा, बिंगडे दा सहारा तू
असी पल—२ भुलदे हां, ते बक्शनहारा तू
तेरी इक—२ तकनी दा, किस तरह मैं भुल पावां। चरणां

असी गलियां विच रूलदे सां, तुसां गल नाल लाया है—२
सुखा नृ तरसदे सां, तुसां तख बिठाया ऐ
पाके तेरी रहमत, किथे तेनूं ना भुल जावां। चरणां

निका जया कतरां हां, सागर दी सार नहीं
नहीं मेरी कोई हस्ती, आंदा सत्कार नहीं
जीवन ऐ बना ऐसा, तेरे चरणां ते तुल जावां। चरणां

हर पल गुरु तेरे अगे, अरदास ऐ कहदे हां
हुन तोड निभा देवीं, एक आस ऐ रखदे हां,
सतगुरु तेरी याद कदी, भुल के वी न भुल जावां। चरणां



जीवन की धड़िया वृथा न खो,
ओम भजो हरि ओम भजो।

ओम ही सुख का सार है,
ओम ही जीवन आधार है,
वृत्ति न इसकी मन से तजो। ओम भजो.....

साथी बना ले ओग को
मन में बिठा ले ओम को
चादर लंबी तान न सो। ओम भजो.....

चौला यही है कर्म का
करने को सौदा धर्म का,
धोना जो चाहे जीवन को धो। ओम भजो.....

मन की शांति संभालिए,
भक्ति की ओर डालिए,
इसके सिवा मार्ग न कोई। ओम भजो.....

घट में हरि पहचान ले,
श्वासों की कीमत जान ले,
नरतन को पाना हो न हो। ओम भजो.....



जरा तो इतना बता दो भगवान
लगी ये कैसी लगा रहे हो,
मुझी में रहकर मुझी से अपनी,
ये खोज कैसी करा रहे हो।

हृदय भी तुम हो, तुम्ही हो प्रीतम,
प्रेम भी तुम हो, तुम्हीं हो प्रेमी,
पुकारना मन तुम्हीं का क्यों फिर,
तुम्हीं जो मन में समा रहे हो। जरा.....

प्राण भी तुम हो, तुम्हीं हो संपदन,
नयन भी तुम हो, तुम्हीं हो ज्योति,
तुम्हीं को लेकर तुम्हीं को ढूँढ़,
नयी ये लीला बता रहे हो। जरा.....

भाव भी तुम हो, तुम्हीं हो रचना,
संगीत भी तुम हो, तुम्हीं हो रसना,
स्तुति तुम्हारी तुम्हीं से गाऊं
नयी ये गीति बना रहे हो। जरा.....

कर्म भी तुम हो, तुम्हीं हो करता,
धर्म भी तुम हो, तुम्हीं हो धरता,
निगित कारण मुझे बनाकर,
ये नाच कैसा रचा रहे हो। जरा.....



जो इवे तेरे प्यार में,
न इवे संसार में,
कि सच्ची तेरी प्रीत है, ये ही तो तेरी रीत है
आए जो तेरे द्वार में, ना इवे संसार में।

आए जो तेरी छाँव में,
बैठे जो तेरी नाव में?
खोए न संसार में,
ना इवे मङ्गदार में। कि सच्ची

फैलाना खुशबू सदा,
फूलों का यही सिलसिला,
धिरे हो चाहे खार में,
ना इवे संसार में। कि सच्ची

मिल ये रह बर गया,
अब तो मैं तर गया,
जा पहुंचा उस पार में,
ना इवे संसार में। कि सच्ची



जिनूं चन चन कहके वाजां मारदी फिरां
जिदे हर साह दे उत्ते जिंद वारदी फिरां
मैनू मेरी जिंदगी का दा हुण, ओइयो ही सहारा लगदा,
खैर औंदी जान दी मांगा, जेडा जान तो वी प्यारा लगदा।

ओंदे बिना चैन इक पल भी न आवे मैनू
हर बेले राहां बल तकदी फिरा
चिल्त नहियों करदा, ना खान नूं, न पीन नूं
याद तेरी विच पइयां मरदी
बांगा ते बहारा विच वी ओंदे बिन न गुजारा लगदा।

जिनूं
मुशिकल हो गया है, तेरे बिना जीना हुण
तेरे बिछोइयां ने खा लया
बैधा ते हकीमां कोल कोई न इलाज ऐदा
रोग जेडा चंदा, मैं ला लया
कमली जई होई फिरदी, हुण कित्थे न गुजारा लगदा।

जिनूं
सांब—सांब रखां तेरे खत मेरे सोणया
वे जदौं दिल करदा मैं पढदी
तूं की जाने दसी मैनू मेरे सतगुरु प्यारया
प्यार तैनू किन्ना हो मैं करदी
मंजिल मैं तनू जानया
मैनू तृ ही है किनारा लगदा।

जिनूं



जी मैं तेरा तेरा तेरा सच्चे बादशाह
रख लो गरीब जान के

पखा फेरा पानी ढोवां, वो जो देवे सा पावां
रख लो गरीब जान के

नानक गरीब है पया द्वारे, हरि मेल लयो वडियाई
रख लो गरीब जान के

सकल द्वार को छोड़ के, पयो द्वारे तेरे
रख लो गरीब जान के

बांह गयो की लाज राख, गोविंद दास तुम्हारे
रख लो गरीब जान के

उच्च अपार बेअंत स्वामी, कौन जाने गुण तेरे
रख लो गरीब जान के

गावत उधरे सुनते उधरे, विनसे पाप घनेरे
रख लो गरीब जान के



जुड़ी रहे जुड़ी रहे, मेरी तार गुरां नाल जुड़ी रहे
जुड़ी रहे

जद तारां नाल तार है जुड़दी
सुरति अपने घर बल मुडदी
हो जादा दीदार, गुरां नाल जुड़ी रहे

तारां नृ तुसी जोड के देखो
सुरति अंदर मोड के देखो
तवानु मिल जाये करतार, गुरां नाल

जद तारां नाल तार है जुड़दी
अंदर ही अंदर मुरली वजदी,
मधुर—२ झंकार, गुरां नाल जुड़ी रहे

सतगुरु इतनी कृपा कर दो
ऐ झोली भवित नाल भर दो
मेरे सतगुरु दीन—दयाल, गुरां नाल



जे तू बेलियां, तन मन दे नाल सेवा करदा जावेगा
सतनाम वाहेगुरु करदा भवसागर तो तरदां जायेगा
सतनाम वाहेगुरु

सेवा है स्वर्गा दी पोढ़ी, कर सेवा लखवार
बिना गुरां दी सेवा कीते, नइयो मिलदा करतार
जे वाबे दे, हुकम नू साथी मथे धरदा जावेगा
सतनाम वाहेगुरु

बेला बैके फेर न ऐवें, तू माला दे मनके
गुरां दी महिमा तकनी ऐ ता, तक ले चाकर बनके
जे तू हानियां, गुरु चरणां विच, शीशा झुकांदा जावेगा
सतनाम वाहेगुरु

साला दे पिछो मिलयाई, सेवा दा ऐ मेला
रब कहदां हुन फिर लगनाई, संगता दा ऐ मेला,
जे झोली विच, सेवा वाला, मेवा पादा जावेगा
सतनाम वाहेगुरु

अब्बल अल्लाह नूर उपाया, कुदरत दे सब बंदे
एक नूर से सब जग उपजे, कौन भले कौन मंदे
जे झोली विच सेवा वाला, मेवा पांदा जावेगा।
सतनाम वाहेगुरु



जे तूं ना फडदा साडी वांह, असां रूल जाना सी
सानू किदरे ना मिलदी थांह, असां

पन्तया बांग असी दर-२ रूलदे सी
गल-२ ते अंखा विचों हंजु रूलदे सी
सानू

इक नजर जद मुर्शिद दी होई ए
ए खाक दी ढेरी जा अम्बरां नू दौड़ी ए
तूं लान्दा ना चरणी असा रूल

ना हंसदी खेडदी जिंदगी होणी सी
इस जीवन दी कुछ होर कहानी होणी सी
तेरी मिलदी ना ठंडी छा, असा

लख ढोकरा खाके जग दीया, दर तेरे आ बैठी
मेरी तोड निभा हुण प्रीत तेरे नाल ला बैठी
जे तू देंदा ना खुशियांए असां

लखां होन जुबाना, गुण तेरे नहीं गा सकदे
सतगुरु तेरा कर्ज कदे नहीं ला सकदे
जे तू गल नाल ना लांदा, असां

इक नजर खाली सतगुरु दी जी हो जाए
औंदी लख-चौरासी मिटा विच कट जाए
जे तू गल-नाल न लांदा असां रूल जाना सी सानू
किथे न मिलदी थांह असां रूल जाना सी



तू तो इबा हुआ तर जायेगा
प्यारे ओम ओम गाये जा

बंदे मत कर किसी की बुराई,
कौन देगा ये झूठी गवाई
हरि पृछेगा क्या बतलाएगा । प्यारे ओम
पंछी मर कर भी सौ काम आये,
तेरा नामो निशान मिटा जाए,
फिर अंत सगय पछताएगा, प्यारे ओम
ओम नाम का भर ले खजाना,
अपना जीवन सफल बनाना,
आत्म मर्स्ती में फिर झूम जायेगा प्यारे ओम
राम नाम की महिंगा है भारी,
अहिल्या पत्थर से बन गई नारी,
तू भी गाता हुआ तर जाएगा । प्यारे ओम
ओम नाम की ऊँची दीवारें,
संसार के झूठे सहारे,
संग साथी न कोई जाएगा, प्यारे ओम
ओम नाम से प्रीति लगा ले,
सतसंग से नाता बढ़ा ले,
फिर हर पल तू मुस्कराएगा प्यारे ओम



तेरया चरणा नाल मेरा जो प्यार है,
होर वधे सतगुरु होर वधे
तेरया वचना दी जारी दिल विच प्यास है
होर वधे सतगुरु होर वधे ।

दिन रात मेरे सतगुरु मैं तेरी पूजा ही करां
तेनु याद सदा रखा, न दिल विच इना रखा,
जन्मा जन्मा दा मेरा जो प्यार है होर वधे

ओ काम कराई तू जो तेरे मन नू भा जाए
ओ गल गराई तू जो तेरे कम विच आ जाए
संता नाल नाम वाला मेरा जो प्यार है होर वधे

मन तेरे विच रहे, तू श्रद्धा प्यार नू जगा,
बस तेरी याद रहे, ऐसी अगन तू लगा,
कदी धटे न सतगुरु तेरे नाल जो प्यार है होर वधे

तेरे दर ते जो मेरा कदी एतवार न धटे,
एना संता दा दिल विच जो है सतकार न धटे,
तेरे सतां दा सोडा परिवार है होर वधे

सिर रखया रहे चरणा, दास ही दास ही रखी,
मैं तेरी हा सतगुरु, तू अपने पास ही रखी,
अपने भक्ता नाल, तेरा जो प्यार है होर वधे



तेरे दर ते आ गईयां दर छड़या नहीं जांदा,
पल्ला फड़या तेरा दाता, पीछे हटया नहीं जांदा।

बिगड़ी तकदीरां नूं तुसी आप संवारदे हो,
हथ दे के करती नूं तुसी पार लगादे हो,
ए जीवन हुन मेरा, चरणा विच लग जाये।

पल्ला.....

ए जाम मोहब्बत दा, इक बार जो पी लेंदा,
भुल जादें ने गम सारे, मस्ती विच जी लेंदा,
ए मस्ती उतर दी नहीं, नशा चढ के उतर जांदा।

पल्ला.....

तस्वीर तेरी दाता, मेरे दिल विच वस गई ए,
मैं कढ ना सकदी हां रोम—रोम विच वस गई ए
जदों तारां खड़कदियां ने साथो रुकिया नहीं जांदा।

पल्ला.....

ऐ प्रेम दा सौदा ए, सिर धड दी बाजी ए,
असां दुनिया तो की लैना साडा सतगुरु राजी ए,
असां दिल विच वरा लिया, सोथो कडिया नहीं जाता।

पल्ला.....



तुम शरणाई आया ठाकुर,
तुम शरणाई आया
उतर गया मेरे मन का संशय,
जब तेरा दर्शन पाया, ठाकुर—२।

दुख नाटे सुख सहज समाए,
आनंद—२ गाया, ठाकुर—२।

अनबोलत मेरी वृथा जानी,
आगना नाम जपाया, ठाकुर—२।

दांह पकड कढ लीनी आपने,
गृह अंध कृप ते गाया, ठाकुर—२।

कहे नानक गुरु बंधन काटे,
विछडत आन मिलाया, ठाकुर—२।



तुम्हें दिल्लगी भूल जानी पड़ेगी,
मोहब्बत की राहों में आकर तो देखो,
तडपने पे मेरे ना फिर तुम हँसोगे,
कभी दिल किसी से लगाकर तो देखो
जमाने को अपना बनाकर तो देखो
हमें भी तो अपना बना के तो देखो

होठों के पास आए हँसी, क्या मजाल है
ये दिल का मामला है कोई दिल्लगी नहीं

जख्म पे जख्म खाकर भी, अपने लहू के घृंट पी
आह न कर लबों को सी, इश्क है ये दिल्लगी नहीं

कुछ खेल नहीं है ये, इश्क भी आग है,
पानी न समझ, ये आग है आग
खूब रूलाएगी ये दिल की लगी
खेल ना समझो ये लगी है दिल की लगी। तुम्हें
ये इश्क नहीं आसां, वस इतना समझ लिजिए
इक आग का दरिया है वस इबते जाना है। तुम्हें

वफाओं को हमसे शिकायत नहीं है
मगर इक बार गुस्करा कर तो देखो
जमाने को अपना बनाकर तो देखो
हमें भी तुम अपना बनाकर तो देखो, तुम्हें

खुदा के लिए छोड दो अब ये पर्दा
मुख से नकाब हटा कर तो देखो, तुम्हें



तेरे बिना ऐ दिलदार
हाय मेरा दिल नहीं लगदा
प्रभुजी मेरा दिल नहीं लगदा
गुरुजी प्रभुजी

ओ सपनों में आने वाले, निंदिया चुराने वाले
चैन चुराने वाले, रातों को जगाने वाले
सांवरिया सरकार, हाय मेरा दिल नहीं

ओ, दर्शन की अखिंया प्यासी
दिखला दो झालक जरा सी
दर्शन का हूं अभिलापी, सुनलो ऐ घट-घट वासी
ओ, सुन लो मेरी पुकार, हाय मेरा दिल नहीं

मोहन मुरलिया वाले, जीवन है तेरे हवाले
सुन लो मेरे दर्द के नाले, मुझ को भी गले लगाले
ओ, तडफे मेरा प्यार, हाय मेरा दिल नहीं

छिप गए कहां प्राण प्यारे, भक्तन के नैनन तारे
तेरे बिन नयन विचारे, तडफे दिन-रात हमारे
ओ पागल के यार, हाय मेरा दिल नहीं



लगन सतगुर से लगा बैठे, जो होगा देखा जाएगा।
उन्हें अपना बना बैठे, जो होगा देखा जाएगा

कभी दुनिया से डरते थे, कि चुप—२ प्यार करते थे
कि अब बंधन छुड़ा बैठे, जो होगा देखा जाएगा

किया कुवान अपना दिल, प्रभु के कोमल चरणों में,
जन्म की वाजी लगा बैठे, जो होगा देखा जाएगा

तुम्हारी बेबसी से दिल, जो मेरा टृट जाएगा,
रहेंगे हम न इस तन में, जो होगा देखा जाएगा

तुम्हारी लगन लगा कर के, अनेकों पापी करते हैं,
कदम आगे बढ़ा बैठे, जो होगा देखा जाएगा

माया के जाल में फँसकर, अनेकों जन्म बीते हैं
कि अब बंधन छुड़ा बैठे, जो होगा देखा जाएगा

लगन सतगुर से लगा बैठे, जो होगा देखा जाएगा,
तुम्हें अपना बना बैठे, जो होगा देखा जाएगा।



तेरे प्रेम में, विश्वास में और मन रहे तेरे प्यार में
मेरे सतगुर—२

तेरा साथ है मेरी जिदगी—२

तेरा सजदा मेरी बंदगी—२
रहे मन में मेरी मृत्ति—२ और मन रहे तेरे पास में
मेरे सतगुर.....

हृदय में हो सद्भावना—२

किसी भाव में अहं न हो—२

रहूँ छल कपट से टूट मैं—२, शीतल रहूँ हर हाल में
मेरे सतगुर.....

तू जो मुस्कराया चमन खिला—२

हर शय हसीन जीवन खिला—२

हुआ जब से तेरा ये करम—२, जन्मत है मेरे पास में.....

मेरे सतगुर.....

तेरा नूर साया बहार का—२, तेरा रूप आइना प्यार का—२

हर शय में तू है छिपा हुआ—२

तू ओम है निं० है

मेरे सतगुर.....